

डॉ. एंथनी जे. टोमासिनो, दस आज्ञाएँ सत्र 8: आज्ञा 7 - कोई व्यभिचार नहीं

यह डॉ. एंथनी जे. टोमासिनो द्वारा दस आज्ञाओं पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 8 है, आज्ञा 7 - व्यभिचार न करें।

तो, अब हम सातवीं आज्ञा पर आते हैं। तुम व्यभिचार नहीं करोगे। अब, दूसरे दिन मैं इस व्याख्यान पर काम कर रहा था, और मैंने सोचा कि शायद व्यभिचार के बारे में कुछ मज़ेदार किस्से ढूँढ़ना दिलचस्प होगा। और सच तो यह है कि दर्जनों और दर्जनों और शायद सैकड़ों भी हैं।

उनमें से बहुत से एक ही विषय के भिन्न रूप हैं, लेकिन व्यभिचार एक ऐसा पाप है जिसे समाज में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जाता है। बेशक, ऐसी चीज़ें हैं जो प्राचीन समय से जुड़ी हैं, और कैंटरबरी टेल्स के दिनों में भी, व्यभिचार मुख्य विषयों में से एक था जिससे उन्होंने अपनी कॉमेडी बनाई थी। कई प्रसिद्ध फिल्मों और टीवी शो में भी व्यभिचार की थीम को हंसी के लिए दिखाया गया है; लोगों ने इसे बहुत गंभीरता से नहीं लिया।

इसे किसी त्रासदी के रूप में नहीं देखा गया; बल्कि, इसे अक्सर कुछ हद तक ऐसी चीज़ के रूप में देखा गया, जिसमें, ठीक है, व्यभिचारी पति, वह आदमी जिसकी पत्नी धोखा दे रही है, बहुत उपहास का पात्र है। जिस पत्नी का पति धोखा दे रहा है, उसे बहुत मज़ाक नहीं मिलता, लेकिन दूसरी ओर, पति आमतौर पर मज़ाक का पात्र होता है। आज हमारे समाज में, इस तथ्य को लेकर थोड़ा और विवाद हुआ है कि हमने व्यभिचार के प्रति बहुत अधिक उदासीन रवैया अपनाया है।

और कुछ लोगों को लगता है कि, बेशक, विविधता ही जीवन का मज़ा है, और हमारे समय की यौन नैतिकता अतीत की तुलना में बहुत अधिक रोमांच, आप कह सकते हैं, बहुत अधिक धोखाधड़ी, इसे स्पष्ट रूप से कहें तो, सहन करने के लिए तैयार है। और इसलिए हमारे लिए यह समझना मुश्किल हो सकता है कि प्राचीन लोगों ने व्यभिचार की प्रथाओं के साथ किस तरह की भयावहता को जोड़ा होगा। हमारे लिए भी किसी को मारने के विचार को समझना मुश्किल है क्योंकि उन्होंने अपने जीवनसाथी को धोखा दिया है, भले ही वहाँ कुछ लोग हों जो एक समय या किसी अन्य समय में धोखा देने वाले जीवनसाथी को मारना चाहते थे।

लेकिन समाज के रूप में हममें से ज्यादातर लोगों के लिए, किसी भी मामले में, यह ऐसी चीज़ है जिसे अतीत की तरह गंभीरता से नहीं लिया जाता। और इसका एक कारण यह भी है कि हमारे पास विवाह संबंधों की प्रकृति के बारे में प्राचीन दुनिया के लोगों की तुलना में बहुत अलग समझ है। बेशक, बाइबल में कई अन्य अपराधों की तरह, व्यभिचार के लिए निर्धारित दंड दोनों पक्षों को पथर मारकर मौत की सज़ा थी।

प्राचीन निकट पूर्वी लोगों में से औसत व्यक्ति, न केवल इस्राएल में बल्कि उनके सभी पड़ोसी समाजों में भी, इसे हल्के में नहीं लेते थे। हम कभी-कभी इस्राएलियों को अच्छे और ईमानदार

और नैतिक लोगों के रूप में चित्रित करना पसंद करते हैं, और उनके सभी पड़ोसियों को बुरे और अनैतिक, और इस तरह की सभी चीज़ों के रूप में। लेकिन वास्तव में, यह कुछ ऐसा था जो पूरे प्राचीन विश्व में आम था।

ये विचार हैं कि यदि आप विवाह संबंध में प्रवेश करते हैं, तो आपको वफ़ादार होना चाहिए यदि आप पत्नी हैं। ठीक है, आइए थोड़ा और गहराई से देखें कि यहाँ क्या चल रहा है। प्राचीन निकट पूर्व में विवाह।

हम पूछ सकते हैं कि प्रेम का इससे क्या लेना-देना है। प्राचीन दुनिया में रोमांस के बारे में सुनना असामान्य नहीं था। मेरा मतलब है, प्रेम पर बहुत सारी कविताएँ थीं।

मिस्र में इन चीज़ों के कुछ प्रसिद्ध संग्रह हैं। अन्य समाजों में प्रेम कविताएँ हैं। और बेशक, हमारे पास ओल्ड टेस्टामेंट में सोलोमन के गीत की पुस्तक है, जो शायद उतनी रोमांटिक न हो जितनी कभी-कभी हमें लगता है।

हम अभी भी, जूरी अभी भी कुछ हद तक इस पर फैसला नहीं कर पाई है। लेकिन भले ही रोमांटिक प्रेम का यह विचार था, अपने जीवनसाथी को आकर्षक पाना, साझेदारी करना चाहना, और पुराने नियम में कुछ विवाह हैं जो इस तरह से प्रतीत होते हैं कि हम विवाह संबंध में जो देखना चाहते हैं, वह एक तरह की प्रतिबद्धता, एक पारस्परिक प्रतिबद्धता और साझेदारी और इस तरह की सभी चीज़ें हैं। लेकिन अधिकांश भाग के लिए, वास्तव में यह वह तरीका नहीं था जिस तरह से प्राचीन लोग विवाह के बारे में सोचते थे।

रोमांस विवाह का प्राथमिक आधार नहीं था। प्राचीन दुनिया में विवाह एक संविदात्मक समझौता था। आमतौर पर, यह पिता द्वारा तय किया जाता था।

और विवाह का मुख्य उद्देश्य परिवार की संपत्ति का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को उचित हस्तांतरण सुनिश्चित करना था। आप अपने बेटे की शादी ऐसी महिला से करेंगे जो लगभग उसी सामाजिक वर्ग और स्तर की हो, जिसके परिवार में लगभग समान स्तर की संपत्ति हो, और फिर आप यह सुनिश्चित कर पाएंगे कि माता-पिता से बच्चों को संपत्ति हस्तांतरित करते समय कोई धोखाधड़ी या कोई भ्रम नहीं होगा। अब, विवाह, निश्चित रूप से, राजनीतिक गठबंधनों का आधार भी थे।

और यह, ज़ाहिर है, आधुनिक समय तक जारी रहा। लेकिन विचार यह था कि यह इस बारे में नहीं था कि आप किससे प्यार करते हैं। यह उस शक्ति या प्रभाव के बारे में था जो उन रिश्तों से प्राप्त किया जा सकता था।

आधुनिक समय तक जारी रहा।

और हम हेनरी अष्टम जैसे लोगों की कहानी जानते हैं और एक बेटा और एक वारिस पाने के लिए और एक ऐसी पत्नी को खोजने और प्राप्त करने के लिए जो उसे एक बेटा दे सके। और यह हेनरी

के लिए बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि, निश्चित रूप से, उसे शाही वंश को आगे बढ़ाने के लिए किसी की आवश्यकता थी। और इसी तरह का रवैया प्राचीन दुनिया के लोगों का एक विशिष्ट रवैया है।

उन्हें अपनी संपत्ति को आगे बढ़ाने के लिए किसी की ज़रूरत होती है, जैसे ज़मीन, सामान, घर, वे सभी चीज़ें जो उन्होंने जमा की हैं, उन्हें अगली पीढ़ी को सौंपने की ज़रूरत है। आप जानते हैं, एक ऐसी दुनिया में जहाँ उनके सभी सवाल या उनके जीवन के बाद के बारे में उनके विचार उतने विकसित नहीं थे जितने कि आज हमारे पास हैं, वहाँ यह भावना थी कि अपनी अमरता को सुरक्षित करने का एक तरीका यह है कि आपकी उपलब्धियों को याद रखा जाए और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाया जाए। और इसलिए वैध बच्चे पैदा करना इस दुनिया में भी अपनी तरह की अमरता हासिल करने का एक तरीका था।

अब, विवाह की इस तरह की समझ के साथ, आप समझ सकते हैं कि व्यभिचार हमारे लिए जितना अलग मुद्दा हो सकता है, उससे थोड़ा अलग होगा। प्राचीन निकट पूर्वी कानून में, व्यभिचार की समस्या और अभ्यास के प्रति कुछ हद तक जुनून था। हमारे पास जितने भी प्राचीन निकट पूर्वी कानून हैं, वे व्यभिचार के पाप पर पर्याप्त ध्यान देते हैं।

मध्य असीरियन कानून संहिता शायद सबसे खराब है। वे इसके बारे में पूरी तरह से जुनूनी हैं और सभी संभावित परिवर्तनों और सभी संभावित प्रकार के परिणामों के बारे में जो व्यभिचारी संबंध में आ सकते हैं। इसलिए न्यायाधीशों और अन्य लोगों के बीच इस बात को लेकर बहुत अधिक हाथ-पैर मारने की स्थिति थी कि वे मामलों को ठीक से कैसे संभालें।

हम व्यभिचार के बारे में सोचते हैं, और हम सोचते हैं कि एक आदमी अपनी पत्नी को धोखा दे रहा है या एक महिला अपने पति को धोखा दे रही है। यह बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा कि प्राचीन निकट पूर्वी लोग व्यभिचार के बारे में सोचते थे क्योंकि, बेशक, उनके पास विवाह के बारे में अलग-अलग समझ थी। इसलिए व्यभिचार को अनिवार्य रूप से एक आदमी द्वारा विवाहित या मंगेतर महिला के साथ यौन संबंध बनाने के रूप में परिभाषित किया जाता है।

अगर महिला वेश्या थी तो इसे व्यभिचार नहीं माना जाता था। इसलिए प्राचीन निकट पूर्व में एक पुरुष से वेश्याओं के साथ अक्सर जाने की उम्मीद की जाती थी और कुछ हद तक ऐसा किया भी जाता था, और इसे व्यभिचार नहीं माना जाता था। हो सकता है कि उसकी पत्नी को यह पसंद न आए, लेकिन उसे व्यभिचारी नहीं माना जाता था।

अगर कोई पुरुष किसी अविवाहित महिला के साथ संबंध बनाता है, तो शायद इसके गंभीर परिणाम होंगे, खासकर अगर उसका पिता इस मामले में शामिल हो। अगर वह अविवाहित है, अगर वह किसी भी तरह के प्रतिष्ठित व्यक्ति की कुंवारी बेटी है, तो यह बहुत बुरी बात हो सकती है। लेकिन ऐसे मामले भी थे जहाँ कोई रखैल रख सकता था, कोई रखैल रख सकता था, और रखैल रखना एक ऐसी चीज़ है जिसे गलत तरीके से समझा जाता है।

वास्तव में, हम यहाँ जिस बारे में बात कर रहे हैं, वह एक तरह से दूसरी श्रेणी की पत्नी होती है। जबकि एक पत्नी जिसके पास यह अच्छा सा विवाह अनुबंध होता है, जो उसके लिए उसके सभी अधिकार और इसी तरह की अन्य बातें बताता है, वह वही होगी जिसे परिवार की वंशावली को

आगे बढ़ाने के लिए माना जाएगा, एक उपपत्नी को आम तौर पर उस तरह से नहीं माना जाता था। उपपत्नी के लिए, आम तौर पर, उसे एक घर मिलता है, उसके सिर पर छत होती है, उसे बच्चे पैदा करने की संभावना होती है, लेकिन वह अपने बच्चों से कुछ भी विरासत में पाने की उम्मीद नहीं कर सकती।

उसे पत्नी जैसी कानूनी सुरक्षा नहीं दी जाती थी। इसलिए, हाँ, कभी-कभी एक रखैल को घर में रखा जाता था और उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाता था जैसे कि वह एक पत्नी हो। लेकिन यह बिल्कुल वैसी व्यवस्था नहीं थी।

फिर से, इस बारे में कुछ सवाल हैं और यह पूरी बात कैसे काम करती है। लेकिन यह स्पष्ट है कि उपपत्नी मुख्य रूप से, फिर से, एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति, एक रिश्ते से दूसरे में भिन्न होने वाली थी। लेकिन कई लोगों के लिए, यह सिर्फ एक यौन साथी था।

अन्य लोगों के लिए, यह एक साथी था। और कुछ लोगों के लिए, उपपत्नी मूल रूप से बिना किसी अनुबंध के एक पत्नी थी। इसलिए यह व्यापक रूप से भिन्न था।

लेकिन अगर किसी विवाहित व्यक्ति के पास कोई उपपत्नी है, तो उसे व्यभिचार नहीं माना जाता। अगर वह वेश्याओं के पास जाता है, तो उसे व्यभिचार नहीं माना जाता। अगर वह स्थानीय लोगों के साथ संबंध बनाता है, तो उसे व्यभिचार नहीं माना जाता।

विवाहित पुरुष द्वारा विवाहित महिला के साथ यौन संबंध बनाने पर व्यभिचार करने के लिए दंड में बहुत भिन्नता थी। आम तौर पर, हम सभी कानून संहिताओं में पाते हैं कि वे आमतौर पर यह कहकर शुरू करते हैं, तुम पुरुष और महिला को मार डालोगे। और फिर वे चेतावनियाँ जोड़ना शुरू करते हैं।

लेकिन अगर आदमी अपनी पत्नी को मारना नहीं चाहता, तो उसे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। उस स्थिति में, जिस आदमी के साथ उसने व्यभिचार किया है, वह भी मुक्त हो जाता है। अगर कोई आदमी अपनी पत्नी की नाक काटना चाहता है, तो यह असीरियन तरीका था; फिर व्यभिचार करने वाले आदमी की भी नाक काट दी जाती थी।

कान काटने की भी संभावना थी। और यह एक तरह से गंभीरता के घटते स्तर जैसा है। वह उसके कान काट सकता था।

वह उसकी पत्नी बनी हुई है। लेकिन उसके कान नहीं हैं। और जो कोई भी उसे देखता है, वह जानता है कि वह व्यभिचारिणी थी।

लेकिन फिर वे उस आदमी के कान भी काट देते थे जिसने व्यभिचार किया था। अगर आदमी अपनी पत्नी को गुलामी में बेचने का फैसला करता, जो जाहिर तौर पर काफी बार होता था, तो जिस व्यक्ति के साथ उसने व्यभिचार किया था, उसे भी गुलामी में बेच दिया जाता था। इसलिए असीरियन इस मामले में अपने दृष्टिकोण के बारे में थोड़ा संतुलित होने की कोशिश कर रहे थे, थोड़ा निष्पक्ष होने की कोशिश कर रहे थे।

आप जानते हैं, जो हंस के लिए अच्छा है, वह हंस के लिए भी अच्छा है। हिब्रू बाइबिल में, हम उम्मीद कर सकते हैं कि चीजें थोड़ी अलग होंगी। हम उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन हमारी उम्मीदें शायद निराश होंगी।

क्योंकि पुराने नियम में, विवाह के बारे में इस्राएलियों की समझ बेबीलोनियों, असीरियन, कनानी लोगों या उनके आस-पास के किसी भी व्यक्ति की समझ से बहुत मिलती-जुलती थी। मुख्य रूप से, विवाह का मतलब बच्चे पैदा करना था जो बाद में आपकी संपत्ति के वारिस बनेंगे। और इसके कुछ सुंदर अपवाद भी हैं।

आप जानते हैं, पैगंबर सैमुअल की माँ हन्ना की कहानी, मुझे लगता है, उन खूबसूरत उदाहरणों में से एक है। पहले अध्याय, पहले सैमुअल में एक छोटी सी लाइन है, जहाँ हमारे पास एक महिला है जो बांझ है और उसके पति की दो पत्नियाँ हैं, आप जानते हैं, और एक पत्नी के बच्चे हैं। और जैसा कि बाइबल में ऐसी स्थितियों में आम है जहाँ आपकी एक पत्नी के बच्चे हैं और दूसरी के नहीं हैं, उन दोनों के बीच हमेशा तनाव रहता है।

दिन उसका पति उससे कहता है, तुम्हें पता है, इस बारे में इतना परेशान मत हो। क्या मैं तुम्हारे लिए सौ बेटों से भी ज़्यादा नहीं हूँ, तुम्हें पता है? तो, तुम्हें पता है, तो, हाँ।

तो वह माँ बनना चाहती है, आप जानते हैं, क्योंकि यह एक सम्मानित पद है, खासकर अगर किसी व्यक्ति की कई पत्नियाँ हों। फिर हमें जैकब और उसकी पत्नियों की अद्भुत कहानी याद आती है, जहाँ वे यह देखने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं कि कौन सबसे ज़्यादा बच्चे पैदा कर सकता है। आप जानते हैं, बच्चे पैदा करना ही वह तरीका था जिससे वे पत्नियों के रूप में अपना जीवन पूरा करती थीं।

और हाँ, क्या यह आज हमें लैंगिक भेदभावपूर्ण लगता है। लेकिन उन दिनों ऐसा ही होता था। लेकिन हाँ, विवाह अक्सर परिवारों द्वारा तय किए जाते थे, आमतौर पर संपत्ति के हस्तांतरण के लिए, ठीक वैसे ही जैसे उनके आस-पास के समुदायों में होते थे।

और जैसा कि उन अन्य समाजों में होता है, उच्च वर्ग की महिला को वधू मूल्य देकर प्राप्त किया जाता था। इसका मतलब यह है कि आपको इस महिला को अपनी पत्नी के रूप में रखने का अधिकार पाने के लिए भुगतान करना होगा। ठीक है।

तो, लेकिन यह केवल तभी है जब आप, आप जानते हैं, उच्च वर्ग के हैं, आप जानते हैं, कि अधिकांश भाग के लिए, आप जानते हैं, आम लोगों के लिए, यह शायद कोई बात नहीं थी। और हमारे पास राजा डेविड की यह अद्भुत कहानी थी, जो शाऊल की बेटी को प्राप्त करना चाहता था। खैर, वह उस समय राजा नहीं था, लेकिन जनरल डेविड, जो राजा शाऊल की बेटी को अपनी दुल्हन के रूप में प्राप्त करना चाहता था।

और शाऊल ने दुल्हन की कीमत के लिए एक सौ पलिशियों की खलड़ियाँ माँगी। आप जानते हैं, आम तौर पर यह किसी न किसी तरह की दौलत होती थी। लेकिन जाहिर है, इस समय दाऊद खास अमीर नहीं था।

महिलाएं, अपने हिस्से के लिए, रिश्ते में दहेज लेकर आती थीं। दहेज एक ऐसी राशि थी जो उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करती थी। प्राचीन दुनिया में विवाह-पूर्व, विवाह-पूर्व समझौते बहुत आम थे।

आप जानते हैं, हम इसे एक आधुनिक, प्रबुद्ध चीज़ के रूप में देखते हैं। खैर, यह अतीत के समय में बहुत आम बात थी कि महिलाओं को सुरक्षा मिलनी चाहिए, आप जानते हैं, और इसलिए महिलाएँ इस संपत्ति को लाने में सक्षम थीं। और अगर पति ने उन्हें तलाक दे दिया, तो वे उस संपत्ति को अपने साथ ले जा सकती थीं।

और इससे वे अपना जीवन यापन कर पाते थे। तो, हाँ, यह एक बहुत ही व्यवसायिक व्यवस्था थी, बहुत ही अच्छी तरह से लिखी गई स्क्रिप्ट और उन दिनों विवाह संस्था के साथ बहुत सारी कानूनी पेचीदगियाँ जुड़ी हुई थीं। मंगेतर महिलाओं को अपने भावी पतियों से बंधी हुई माना जाता था।

सगाई का उल्लंघन व्यभिचार के रूप में माना जाता था। और, बेशक, यह वही स्थिति है जो हमें नए नियम में मरियम और जोसेफ के साथ देखने को मिलती है, जहाँ मरियम की सगाई जोसेफ से होती है और फिर वह गर्भवती पाई जाती है। इसे व्यभिचार माना जाता था।

और यूसुफ पुराने नियम के कानून के अनुसार उसे पत्थर मार कर मार डालने का अधिकार रखता था। लेकिन बाइबल क्या कहती है? एक नेक इंसान होने के नाते, उसने उसे अकेले में छोड़ देने का फैसला किया। दूसरे शब्दों में, वह उसे दूर करने जा रहा था, तलाक देने जा रहा था, सगाई खत्म करने जा रहा था, उसे तलाक देने जा रहा था, हम कह सकते हैं, एक तरह से, और उसे अपने बच्चे के पिता से शादी करने की अनुमति देने जा रहा था।

क्या आदमी और क्या आदमी। लेकिन जाहिर है, इस तरह की बात हमारी सोच से कहीं ज़्यादा आम थी। पुराने नियम में पुरुषों के कई तरह के साथी हो सकते हैं।

यह असामान्य नहीं था। और हम देखते हैं कि बाइबल के कुछ कुलपति कभी-कभी चालाकी करते हैं, और बाइबल में कुछ अन्य लोग जो। अब, मैं यह कहने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ कि इसे प्रोत्साहित किया गया था क्योंकि ऐसा नहीं था।

लेकिन यह स्पष्ट था कि ऐसा हुआ था, और यह कुछ इस तरह था, ठीक है, ऐसा होता है, आप जानते हैं, यह जीवन का एक तथ्य माना जाता था कि पुरुष ये काम करते होंगे। और ऐसा नहीं था। यह सही नहीं था, लेकिन यह कानून के खिलाफ भी नहीं था।

दूसरी ओर, महिलाएँ अपने पतियों से बंधी हुई थीं। और वे, जो महिला अपने पति के अलावा किसी और के साथ संबंध बनाती थी, वह व्यभिचार की दोषी थी। तो बहुविवाह के बारे में क्या? हाँ।

वेश्यावृत्ति की तरह ही, पुराने नियम में बहुविवाह की अनुमति थी, लेकिन इसे आदर्श नहीं माना जाता था। बाइबल में विवाह के लिए स्पष्ट रूप से एक आदर्श है। यह आदर्श उत्पत्ति की पुस्तक के अध्याय दो में पाया जाता है, एक पुरुष, एक महिला जीवन भर के लिए।

बाद में कई बदलाव हुए।

बहुविवाह एक महंगी चीज़ है, आप जानते हैं, एक पत्नी रखना आदर्श माना जाता था, और शायद, आप जानते हैं, यह सामान्य था। एक से ज़्यादा पत्नियाँ रखने का मतलब था कि आपके पास कुछ पैसे थे क्योंकि आप एक से ज़्यादा पत्नियाँ खरीद सकते थे। अक्सर, लोग बहुविवाह को एक दमनकारी व्यवस्था, गरीब महिलाओं पर अत्याचार करने का एक तरीका मानते हैं।

लेकिन वास्तव में, आपको याद रखना होगा कि उन दिनों में जब बहुत सारे युद्ध, बहुत सारी झड़पें होती थीं, पुरुष बहुत भारी काम करते थे और अक्सर कम उम्र में ही मर जाते थे, वहाँ बहुत सी महिलाएँ थीं जो अपने लिए पति नहीं ढूँढ़ पाती थीं क्योंकि, आप जानते हैं, उनके लिए पर्याप्त पुरुष नहीं थे। और ऐसे मामलों में, आपको सोचना होगा कि ज़्यादातर महिलाओं के लिए क्या बेहतर होगा। क्या किसी बहुत अमीर व्यक्ति की चौथे, पाँचवें या 600वें नंबर की पत्नी बनना बेहतर होगा या सड़कों पर भीख माँगने या वेश्यावृत्ति करने वाली अकेली महिला बनना बेहतर होगा? शायद कुछ ऐसे काम थे जो वह कर सकती थीं, शायद एक समझदार महिला बन सकती थीं, या कुछ इसी तरह की।

लेकिन सच तो यह है कि उस समाज में महिलाओं के लिए करियर के अवसर बहुत ज़्यादा नहीं थे। इसलिए, एक तरह से, बहुविवाह पुरुषों के लिए था; यह दिखाने का एक तरीका था कि वे कितने अमीर हैं। मुझे वाकई नहीं लगता कि ऐसा इसलिए था क्योंकि ये पुरुष इतने सेक्स के दीवाने थे कि वे बहुत सारी पत्नियाँ रखना चाहते थे।

यह सिर्फ़ इतना ही नहीं था कि बहुत सारी पत्नियाँ होने से पता चलता था कि वे बहुत अमीर हैं और बहुत सारी महिलाओं को अपने साथ रख सकते हैं और उनके सिर पर छत रख सकते हैं। और उन्हें खाना खिला सकते हैं और इस तरह की दूसरी चीज़ें कर सकते हैं। और इसलिए ऐसी परिस्थितियों में, फिर से, महिलाओं के लिए विवाह को पूरी तरह से व्यावहारिक चीज़ माना जाता था।

प्यार का इससे क्या लेना-देना है? बहुत ज़्यादा नहीं, लेकिन अपने सिर पर छत होना और संभवतः एक बच्चा पैदा करने का अवसर होना जो एक दिन किसी अमीर आदमी की संपत्ति का कम से कम एक हिस्सा विरासत में पा सकता है। यह एक ऐसा अवसर था जिसे उनमें से कई लोग वास्तव में नहीं छोड़ सकते थे। पुरुष अपनी पत्नियों को तलाक दे सकते थे।

पुराने नियम के अनुसार, वे अभद्रता के लिए उन्हें तलाक दे सकते थे। अभद्रता क्या है? यह एक बड़ा सवाल था। हम वास्तव में नहीं जानते कि इसका क्या मतलब हो सकता है।

और यीशु के समय में एक बड़ी बहस हुई थी, जिस पर मैं बाद में वापस आऊंगा, दो प्रमुख रब्बीनिक हस्तियों, हिलेल और शम्माई के बीच। और एक रब्बी ने कहा कि अभद्रता का मतलब व्यभिचार है और कानून के तहत तलाक का एकमात्र आधार व्यभिचार है। दूसरे ने कहा, नहीं, अभद्रता का मतलब है कि महिला द्वारा किया गया कोई भी काम जो पुरुष को नापसंद हो।

और उसका प्रसिद्ध उदाहरण यह था कि अगर वह उसका खाना जला देती है, तो वह उसे तलाक दे सकता है। तो उन दो स्थितियों के बीच काफी दूरी है। फ़ारसी काल में पाठ्य खोजों से कुछ दिलचस्प बातें सामने आती हैं।

आप जानते हैं, पुराने नियम में, हम मानते हैं कि यह सब पुरुष-प्रधान है और पुरुषों का ही वर्चस्व है। लेकिन बाद में, हम पाते हैं, यहाँ तक कि फ़ारसी काल से भी, कि महिलाओं द्वारा अपने पतियों को तलाक देना असामान्य नहीं था। अब, यह प्राचीन काल में भी असामान्य नहीं था, क्योंकि हम्मुराबी की संहिता में भी ऐसे मामलों के लिए रियायतें दी गई थीं जहाँ महिलाओं को अपने पतियों को तलाक देने की आवश्यकता हो सकती थी।

यह एक बहुत ही अलग मामला था, जैसे कि एक आदमी अपनी पत्नी को तलाक दे देता है। लेकिन यह उनके लिए अकल्पनीय था। लेकिन जाहिर तौर पर ऐसा हुआ।

और हमें वास्तव में फ़ारसी काल के कानूनी दस्तावेज़ मिले जो दर्शाते हैं कि महिलाओं के लिए अपने पतियों को तलाक देना वास्तव में असामान्य नहीं था। और अक्सर समझौते होते थे, और विवाह-पूर्व समझौते और नीतियाँ होती थीं जो उनके लिए ऐसा करना संभव बनाती थीं और उन्हें गरीबी में नहीं धकेलती थीं। तो, हाँ, कुछ मायनों में, यह आश्चर्यजनक रूप से आधुनिक भी है।

तो यह प्राचीन इस्राएल में विवाह की संस्था का एक छोटा सा अवलोकन है। पुराने नियम में व्यभिचार के बारे में क्या? खैर, यह आश्चर्यजनक नहीं है। यह अन्य प्राचीन निकट पूर्वी समाजों में पाए जाने वाले समान है।

यह आज्ञा बहुत अच्छी है और बाइबल में कुछ शब्दों में सरलता से रखी गई है। लोटिनोथ, व्यभिचार मत करो। अच्छी और सरल और सीधी।

और, फिर से, उनके पड़ोसियों की तरह, व्यभिचार को एक विवाहित महिला द्वारा ऐसे पुरुष के साथ संबंध बनाने के रूप में परिभाषित किया जाता है जो उसका पति नहीं है। अब, मुझे कहना होगा कि बहुत से विद्वान यहीं रुक जाते हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है, क्योंकि एक विवाहित महिला के साथ संबंध बनाने वाले पुरुष को भी व्यभिचार माना जाता है।

तो यह सिर्फ महिलाओं की बात नहीं है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ महिलाएं ही व्यभिचार कर सकती हैं। अगर कोई पुरुष किसी विवाहित महिला के साथ संबंध बनाता है, तो वह भी व्यभिचार है।

तो यह कुछ हद तक दोनों तरह से काम करता है। पुरुष कानूनी तौर पर वेश्याओं के साथ यौन संबंध बना सकते हैं। हम पहले ही इसका ज़िक्र कर चुके हैं।

या किसी तरह की अविवाहित रखैलों के साथ। लेकिन कानून वेश्यावृत्ति को बहुत सख्ती से हतोत्साहित करता है। ऐसी जगहें हैं जहाँ यह स्पष्ट रूप से कहा गया है, आप जानते हैं, अपनी बेटियों को वेश्या बनने की अनुमति न दें या देश अनैतिकता और अश्लीलता से भर जाएगा।

होशे में भविष्यवक्ताओं ने, मुझे लगता है, पुराने नियम में नैतिक निष्पक्षता के बारे में सबसे शानदार कथनों में से एक है, जहाँ परमेश्वर भविष्यवक्ता होशे से कहता है, मुझसे यह उम्मीद न करें कि मैं आपकी पत्नियों को व्यभिचार के लिए दोषी ठहराऊँगा, जबकि आप स्वयं व्यभिचार कर रहे हैं। तो हाँ, परमेश्वर कहते हैं, नहीं, हम यहाँ दोहरा मापदंड नहीं अपनाएँगे। यह कानून द्वारा बताए गए नियमों से थोड़ा परे है क्योंकि कानून में दोहरे मापदंड की अनुमति थी।

लेकिन परमेश्वर ने स्पष्ट कर दिया है कि यह उसका आदर्श नहीं है। पुराने नियम में व्यभिचारियों के लिए निर्धारित दंड मृत्यु है। जो व्यक्ति व्यभिचार करता है, अपने पड़ोसी की पत्नी के साथ व्यभिचार करता है, व्यभिचारी और व्यभिचारिणी दोनों को मृत्यु दंड दिया जाएगा।

अब, असीरियन कानून संहिता में, उनके पास लगभग वही कथन है। लेकिन फिर वे आगे कहते हैं, लेकिन अगर आदमी अपनी पत्नी को मारना नहीं चाहता है, आदि, आदि, आदि, तो टोरा, पुराने नियम के कानून संहिता में ऐसी छूट नहीं दी गई है। लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट है कि इस तरह की चीज़ों की अनुमति थी क्योंकि हमारे पास फिर से होशे और उसकी पत्नी, गोमेर की अद्भुत कहानी है, जिन्होंने व्यभिचार किया और जाहिर तौर पर कई अलग-अलग पुरुषों के साथ।

और जैसे-जैसे आप कहानी पढ़ते हैं, यह स्पष्ट होता जाता है कि होशे गोमेर को गुलामी में बेचने की योजना बना रहा था। इसलिए, अपनी पत्नी को पत्थर मारकर मारने के बजाय, वह दया दिखाता है। प्राचीन व्यभिचार कानून, यहाँ तक कि बाइबल में भी, पारिवारिक विरासत की रक्षा करते हैं, पारिवारिक रिश्तों की नहीं।

प्राचीन लोग नहीं चाहते थे कि नाजायज़ संतान उनकी संपत्ति का वारिस बने। यह मुझे हमेशा कोयल पक्षी की कहानी की याद दिलाता है। आप जानते हैं, कोयल पक्षी एक अच्छा घोंसला खोजती है जहाँ कई अंडे होते हैं, और कोयल पक्षी पहले अंडे से बच्चे निकालती है।

और फिर वह दूसरे अंडों को घोंसले से बाहर धकेल देती है। और जब माँ पक्षी वापस आती है और वह इस कोयल को यहाँ देखती है, तो जाहिर है कि वह उसे अपने बच्चों से अलग नहीं पहचान पाती। और इसलिए वह उसे खाना खिलाती है और उसकी देखभाल करती है।

और कोयल पक्षी बड़ा और मोटा हो जाता है और फिर उड़ जाता है और अपनी कोयल जैसी हरकतें करता है। तो यह एक तरह की स्थिति है जिसे पुरुष अपने व्यभिचार कानूनों के साथ टालने की कोशिश कर रहे थे: वे अपने घोंसले में कोयल नहीं चाहते थे। वे नहीं चाहते थे कि कोई भी व्यक्ति उनकी चीज़ों को विरासत में पाए जो उनकी जैविक संतान नहीं थी।

बाइबल में व्यभिचार के नियम कठोर थे। और मैंने पहले ही इस बारे में बात करना शुरू कर दिया है, और अब मैं इस पर थोड़ा और विस्तार से बात करने जा रहा हूँ। दूसरी ओर, व्यभिचारियों के प्रति अनुग्रह प्रचुर मात्रा में था।

पुराने नियम में कितने लोगों को व्यभिचार करने के लिए मार दिया गया था? खैर, आप इसे देखें, आप वास्तव में सोच नहीं सकते, मैं किसी के बारे में नहीं सोच सकता। तलाक और गुलामी शायद सामान्य सज़ाएँ रही होंगी। अगर आपको पता है कि आपकी पत्नी व्यभिचार कर रही है, तो आप निश्चित रूप से उसे तलाक दे सकते हैं, और बहुत संभावना है कि अदालतें आपको उसे दहेज या उस तरह की किसी चीज़ के बिना भेजने की अनुमति देंगी।

शायद आपने इसे खो दिया हो। सबसे अधिक संभावना है कि यह विवाह अनुबंधों में सही लिखा गया होगा। इसलिए, हमें होश और गोमेर मिले, हमें राजा दाऊद मिले, जिन्होंने व्यभिचार किया।

बेशक, दाऊद ने अपने व्यभिचार को हत्या के साथ जोड़ दिया। और हम उसकी कहानी के बारे में थोड़ी देर बाद बात करेंगे। लेकिन हाँ, अगर आप पुराने नियम को पढ़ें, तो आपको ऐसा कोई सबूत नहीं मिलेगा कि व्यभिचारियों को पत्थर मारकर मार डाला गया था।

यह किताबों में था। यह कानून संहिता में था। लेकिन जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, मुझे लगता है कि कानून संहिताएं पत्थर पर लिखी गई बातों के बजाय न्यायाधीशों के लिए एक तरह के आदर्श और दिशा-निर्देश हैं।

आपको इस तरह से काम करना चाहिए। उस कानून संहिता में बहुत अधिक अनुग्रह निहित था, जिसकी अनुमति बाद के फरीसियों ने दी थी। बाइबल के कई अंशों में परमेश्वर को विश्वासहीन इस्राएल के दुखी जीवनसाथी के रूप में दर्शाया गया है।

हम इसे होश के पहले दो अध्यायों, यिर्मयाह के दूसरे और तीसरे अध्याय, यहजकेल 16 और अन्य स्थानों पर भी पाते हैं। यह बाइबल में सबसे प्रमुख रूपकों में से एक है, जहाँ परमेश्वर पति है और इस्राएल जीवनसाथी है। यह वास्तव में एक आकर्षक विनियोग है, विशेष रूप से होश की पुस्तक में।

होश ने माना कि बाल धर्म में बाल की पूजा की जाती है। बाल एक दिलचस्प व्यक्ति है। बाल शब्द का अर्थ है प्रभु, लेकिन इसका अर्थ पति भी है।

और बाल को, किसी अर्थ में, पृथ्वी का पति और बाल के उपासकों का पति माना जाता था। और होश की पुस्तक में, परमेश्वर उस छवि को अपनाता है और अपने लोगों से कहता है, नहीं, मैं तुम्हारा पति हूँ, और मैं ही वह हूँ जो तुम्हें ये सारी अच्छी चीज़ें प्रदान करता है जो तुम्हारे पास हैं। इसलिए वह छवि कई बार दिखाई देती है।

लेकिन इस्राएल क्या करता है? इस्राएल इन सभी अन्य देवताओं के साथ भागकर और प्रभु को धोखा देकर परमेश्वर के प्रति विश्वासघात करता है। यहजकेल पूरे पुराने नियम में सबसे सुंदर और करुणा से भरे अंशों में से एक है, जहाँ परमेश्वर इस बारे में बात करता है कि इस्राएल, उसके

लोगों की विश्वासघात से उसका हृदय कैसे दुखी हुआ है, क्योंकि उन्होंने बार-बार उसके साथ धोखा किया है। और परमेश्वर क्या करता है? वे कहते हैं, ठीक है, तुम्हें पत्थर मारकर मार डाला जाएगा।

नहीं, वह कहता है, मैं तुम्हें वापस ले जाता रहूँगा। और वह कसम खाता है, आप जानते हैं, वह कहता है, ठीक है, मुझे तुम्हें कुछ समय के लिए दूर रखना होगा। और आप शायद निर्वासन के बारे में बात कर रहे हैं, आप जानते हैं, लेकिन वह कहता है, लेकिन मैं तुम्हें फिर से अपने पास वापस ले जाऊँगा।

और कभी-कभी ऐसी शर्त रखी जाती है, आप जानते हैं, अगर तुम मेरे पास वापस आओगे, तो मैं तुम्हारा स्वागत करूँगा। तो यहाँ, व्यभिचार की इस तरह की भाषा का उपयोग करते हुए, भगवान कह रहे हैं, हाँ, तुम एक व्यभिचारिणी हो, लेकिन मैं तुम्हें मारने वाला नहीं हूँ। मैं तुम्हारा घर वापस स्वागत करने वाला हूँ।

मैं आपको वापस अपने पास ले जा रहा हूँ। अब, यीशु के समय तक, व्यभिचार कानून संस्थागत हो चुके थे। लेकिन ऐसा लगता है कि तब भी व्यभिचार को अक्सर हल्के में लिया जाता था, अगर पीड़ित पक्ष ऐसा चाहते थे।

हेरोदेस के बीच होने वाली कुछ चीजों के बारे में बताता है। अब, जब राजा हेरोदेस की पसंदीदा पत्नी, मरियमने पर व्यभिचारिणी होने का संदेह हुआ, तो क्या वह व्यभिचारिणी थी या नहीं, इस बारे में अभी भी कुछ बहस है।

लेकिन हेरोदेस ने उसे एक ऐसे तरीके से गला घोटकर मार डाला जो वे इस्तेमाल करते थे, जो आम तौर पर मुख्य पत्नी के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाता था। लेकिन वैसे भी, उसे पत्थर मारने के बजाय, जैसा कि बाइबल में कहा गया है, बहुत बार हर कोई जानता था कि क्या हो रहा था, और वे बस इसे अनदेखा कर रहे थे या इसे अनदेखा करने में सक्षम थे। हेरोदेस, अपने अहंकार के साथ, निश्चित रूप से इस तरह की किसी भी चीज़ को अनदेखा नहीं करने वाला था।

और उसे यह भी डर था कि उसकी पत्नी भी उसके खिलाफ़ साजिश कर रही है। इसलिए, जॉन अध्याय 8 के उस मामले में और वहाँ व्यभिचार में पकड़ी गई महिला की उस अद्भुत कहानी में, जो मूल हो भी सकती है और नहीं भी, उसके बारे में बहुत सारे सवाल हैं। लेकिन किसी भी तरह से, यह निश्चित रूप से मुझे यीशु जैसा लगता है।

लेकिन कहानी यह है कि वे इस महिला को यीशु के पास लाते हैं और कहते हैं, वह व्यभिचार के कृत्य में पकड़ी गई थी। अब कानून कहता है कि उसे पत्थर मारकर मार दिया जाना चाहिए। लेकिन आप क्या कहते हैं? और यह वास्तव में यीशु को मुश्किल में डाल रहा है, उन्हें लगता है कि वे वास्तव में यीशु को मुश्किल में डाल रहे हैं, क्योंकि उन दिनों में किसी को व्यभिचार के लिए पत्थर मारकर मार डालना बहुत ही दुर्लभ था।

और यह भी संभव है कि उन्हें न्यायिक स्वीकृति के बिना ऐसा करने की अनुमति भी नहीं दी गई हो। और फिर भी वे जो करने की कोशिश कर रहे हैं, वह है यीशु को पुराने नियम के कानून का

उल्लंघन या अस्वीकार करने के लिए मजबूर करना। और वास्तव में वे यही करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि, हाँ, अगर यीशु कहते हैं, ओह, नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते।

और ऐसा लगता है, ओह, आप कह रहे हैं कि मूसा झूठा था, है न? क्या आप हमें यही बताने की कोशिश कर रहे हैं? आप जानते हैं, क्या आप हमें बता रहे हैं कि हम मूसा के नियमों को अनदेखा कर सकते हैं? आम तौर पर, वे शायद वैसे भी ऐसा ही कर रहे हैं। लेकिन, हाँ, यह था, वे यीशु को मुश्किल में डालने की कोशिश कर रहे थे। और, ज़ाहिर है, यीशु इसके लिए गिरने वाले नहीं थे, क्योंकि यीशु ने इसके बजाय वे अद्भुत शब्द कहे, जो कोई भी तुम्हारे बीच पाप रहित है, वही पहला पथर फेंकने वाला व्यक्ति हो सकता है।

ठीक है, तो यीशु व्यभिचार के इस पूरे सवाल से बचते हैं। और एक बार फिर, हम इसे नए नियम में दो अलग-अलग जगहों पर देखते हैं। मत्ती अध्याय 19 में, हमारे पास यह सवाल है कि वास्तव में विवाह का आधार क्या है।

याद रखें, प्राचीन दुनिया में, विवाह का आधार संपत्ति का हस्तांतरण था। इसलिए कुछ फरीसी उसके पास आए और उसे परखने की कोशिश की। उन्होंने कहा, क्या किसी पुरुष के लिए किसी भी कारण से अपनी पत्नी को तलाक देना वैध है? और फिर, यह उस समय यहूदी धर्म में चल रही बहस है।

हमारे पास रब्बी हिलेल और रब्बी शम्माई हैं। उनमें से एक कह रहा है, केवल तभी जब वह व्यभिचार करे। और दूसरा कह रहा है, यदि वह आपका भोजन जला दे, तो उसे दूर कर दो।

और यीशु कहते हैं, अच्छा, क्या तुमने नहीं पढ़ा कि शुरू में, सृष्टिकर्ता ने उन्हें नर और मादा बनाया। और उसने कहा, इस कारण से, एक आदमी अपने पिता और माँ को छोड़ देगा और अपनी पत्नी से जुड़ जाएगा। और दो, दो, ध्यान दें दो, एक शरीर बन जाएंगे।

इसलिए वे अब दो नहीं, बल्कि एक तन हैं। इसलिए, जबकि परमेश्वर ने एक साथ जोड़ा है, किसी को अलग न होने दें। इसलिए यीशु विवाह को परिभाषित करने के लिए मूसा के कानून का पालन नहीं करते।

वह सामान्य अभ्यास की ओर नहीं जाता। वह रब्बीनी बहसों में नहीं जाता। बल्कि, यीशु सीधे सृष्टि की ओर जाता है।

भगवान विवाह के लिए क्या चाहते हैं? भगवान इसे कैसे परिभाषित करते हैं? आदर्श क्या है? आदर्श है एक पुरुष, एक महिला, जीवन भर साथ रहना। अब, ज़ाहिर है, यह हर किसी के सिर को चीर देता है। फिर, वे पूछते हैं, मूसा ने क्यों आदेश दिया कि एक आदमी अपनी पत्नी को तलाक का प्रमाण पत्र दे और उसे दूर भेज दे? खैर, अगर भगवान चाहते हैं कि वे हमेशा साथ रहें, तो मूसा ने क्यों कहा कि वे अलग हो सकते हैं? और यीशु ने जवाब दिया, मूसा ने तुम्हें अपनी पत्नियों को तलाक देने की अनुमति दी क्योंकि तुम्हारे दिल कठोर थे।

लेकिन शुरू से ऐसा नहीं था। मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई अपनी पत्नी को तलाक देता है, वह यौन अनैतिकता को छोड़कर। और यहाँ एक सवाल है कि क्या यह पंक्ति मूल है या नहीं, वैसे, यह सभी पांडुलिपियों में नहीं दिखाई देती है।

और दूसरी स्त्री से विवाह करता है, व्यभिचार करता है। मत्ती अध्याय 19, श्लोक 7 से 9। तो, मूल रूप से, यीशु यहाँ जो कह रहे हैं वह यह है कि व्यभिचार विवाह संबंध के टूटने के बारे में है। यह नहीं कि कौन किसको धोखा दे रहा है।

यह इस बात पर निर्भर करता है कि रिश्ते को कैसे कमजोर किया गया है, कैसे रिश्ता टूट गया है। इसलिए, यीशु से विवाह आपकी संपत्ति के बारे में नहीं है।

भौतिक वस्तुओं या संपत्ति के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरण में बाधा नहीं है।

व्यभिचार ईश्वर द्वारा निर्धारित रिश्ते को कमजोर कर रहा है, जो हमेशा के लिए बना रहना चाहिए। आप जानते हैं, यह हमारी समझ में कितना अंतर लाता है कि विवाह और व्यभिचार को कैसे संचालित किया जाना चाहिए। मैं कहूँगा, आप जानते हैं, कि यीशु वास्तव में मामले के मूल तक पहुंचता है, पुराने नियम के नियमों से कहीं अधिक।

वह फिर से कानून के पीछे के सिद्धांत की अपील कर रहा है, ठीक है? उम्म, हाँ। तो, हमारे पास ऐसे लोग हैं जो तलाक लेना चाहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि अब वे एक-दूसरे के अनुकूल नहीं हैं, या ऐसा ही कुछ। और यीशु हमें बताते हैं कि परमेश्वर का इरादा ऐसा नहीं था।

अब, यहाँ एक बात और, हम जानते हैं कि हमारे समाज में तलाक होता है। हम जानते हैं कि कभी-कभी ऐसे मामले होते हैं, जहाँ तलाक, मैं कह सकता हूँ, कुछ रिश्तों में सबसे अच्छा विकल्प लगता है। आदर्श रूप से, ऐसा नहीं होना चाहिए।

और यही बात यीशु हमें यहाँ बताने की कोशिश कर रहे हैं। आदर्श रूप से, यह सही नहीं है। आदर्श रूप से, यह विवाह की संस्था और उसके उद्देश्य को दूषित करता है, आप जानते हैं? इसलिए, मुझे नहीं लगता कि हमें तलाकशुदा लोगों के प्रति कठोर और क्षमाशील होना चाहिए, यहाँ तक कि जो लोग तलाकशुदा हैं और फिर से शादी कर चुके हैं।

मुझे नहीं लगता कि यीशु का यह कथन यह कहता है कि हमें उन लोगों की निंदा करनी चाहिए और उन्हें चर्च से बाहर कर देना चाहिए। बल्कि, मुझे लगता है कि यीशु यह कह रहे हैं कि यही वह आदर्श है जिसके लिए हमें प्रयास करना चाहिए। ठीक वैसे ही जैसे मत्ती के अध्याय 5 के अंत में यीशु हमें बताते हैं कि हमें अपने स्वर्गीय पिता की तरह परिपूर्ण होना चाहिए।

मुझे नहीं लगता कि हममें से कोई भी इस जीवन में कभी भी उस स्थिति को प्राप्त कर सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी यही चाहते हैं। इसलिए, मैथ्यू, अध्याय 5 में, पहाड़ी उपदेश में, यीशु एक बार फिर दस आज्ञाओं और उनकी समझ के सवाल को संबोधित करते हैं। आपने सुना है कि यह कहा गया था, तुम व्यभिचार नहीं करोगे।

लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि जो कोई किसी स्त्री को वासना की दृष्टि से देखता है, वह अपने मन में उसके साथ व्यभिचार कर चुका है। अरे, यीशु! तुम ऐसा क्यों कहोगे? हाँ, यह बहुत कठोर लगता है। यह वास्तव में शांत लगता है, तुम जानते हो, तुमने यहाँ आधी मानव जाति की निंदा की है, तुम जानते हो? यीशु व्यभिचार के मामले को शरीर से हृदय में ले जाता है।

रब्बियों ने व्यभिचारी कृत्य को परिभाषित करने के लिए बहुत सारी स्याही बहा दी। और वे इनमें से कुछ चीजों में आगे-पीछे चले गए, जैसा कि रब्बियों ने किया था। इस तरह से उन्होंने तर्क दिया।

यह एक द्वंद्वात्मक प्रक्रिया की तरह था। कभी-कभी यह सब कुछ स्वतंत्र रूप से करने जैसा था। लेकिन कौन से कार्य व्यभिचारी माने जाएँगे? और कुछ रब्बी कहते थे, आप जानते हैं, कि, ठीक है, आप एक मामले की कल्पना कर सकते हैं।

और रब्बियों, मुझे पूरा यकीन है कि इनमें से बहुत से मामले जो वे सामने ला रहे हैं, पूरी तरह से काल्पनिक हैं और शायद पूरी तरह से अविश्वसनीय हैं। लेकिन एक मामले के बारे में बहस हुई थी, और, आप जानते हैं, ट्रिगर चेतावनी, यह, मैं एक साथी को जानता था जिसे एक कक्षा में यह कहानी साझा करने के लिए प्रशासनिक छुट्टी पर रखा गया था क्योंकि कुछ छात्र नाराज थे। लेकिन किसी भी दर पर, उम्मीद है कि कोई भी मुझे इस कहानी को साझा करने के लिए प्रशासनिक छुट्टी पर नहीं रखेगा।

लेकिन कहानी कुछ इस तरह है। तो एक आदमी एक अमीर घर के मालिक की छत पर एक रिसाव की मरम्मत कर रहा है। और वह वहाँ यह काम कर रहा है, और उसे गर्मी और पसीना आ रहा है।

इसलिए वह अपने कपड़े उतार देता है। इसलिए वह छत पर नंगा होकर काम कर रहा होता है। इस बीच, घर की मालकिन बाहर आती है और अपने घर के आंगन में धूप सेंकने का फैसला करती है, जैसा कि उन दिनों में आम बात थी।

तो वह वहाँ नीचे है। वह अपने कपड़े उतारती है, और पूरे शरीर पर अच्छा सा रंग चढ़ जाता है। खैर, छत पर काम कर रहा आदमी अचानक तेज़ हवा की चपेट में आ जाता है, और हवा उसे घर से उड़ा ले जाती है, और वह सीधे महिला के ऊपर गिर जाता है, और वे यौन संपर्क बनाते हैं।

मैं स्पष्ट रूप से सोचता हूँ कि यह असंभव है। लेकिन रब्बियों ने इस तरह से प्रश्न तैयार किया, ठीक है? और वे कहते हैं, और प्रश्न यह है कि क्या उन्होंने व्यभिचार किया है? और वे इस पर आगे-पीछे होते रहे। और अंत में, यह तय हुआ, ठीक है, वह वास्तव में कुछ भी करने का इरादा नहीं रखता था, और वह भी ऐसा करने का इरादा नहीं रखती थी।

तो नहीं, हमें इसे व्यभिचार नहीं कहना चाहिए, आप जानते हैं? लेकिन यह विचार कि वे इस विचार को मन में रखेंगे कि यह व्यभिचार है, हमारे लिए थोड़ा अजीब है। लेकिन उनके लिए, आप जानते हैं, इस तरह के मुद्दों को परिभाषित करना बहुत महत्वपूर्ण था। मैं उस समय को याद कर सकता हूँ जब मैं बहुत पहले अकेला था।

और मेरे कॉलेज के दोस्तों के बीच जो ईसाई थे, बातचीत के विषयों में से एक था, ठीक है, आप अपनी प्रेमिका के साथ कितनी दूर तक जा सकते हैं इससे पहले कि यह, आप जानते हैं, विवाह पूर्व सेक्स जैसा हो जाए, आप जानते हैं? और इसलिए, और फिर मुद्दा यह था, आप जानते हैं, हम अपने शरीर के साथ क्या कर रहे हैं? और पाप क्या है? खैर, यीशु इस बात की चिंता नहीं करते कि हम अपने शरीर के साथ क्या कर रहे हैं। वह इस बात पर ध्यान देते हैं कि हमारे दिल में क्या चल रहा है, आप जानते हैं? क्या हम प्रलोभन में हैं? क्या हम दूर जा रहे हैं? क्या हम अपने जीवनसाथी के अलावा किसी और व्यक्ति के प्रति मोहित हैं? यीशु कहते हैं कि यह दिल में है। वासना और व्यभिचार।

आइए इस बारे में थोड़ा सोचें। अगर कोई पुरुष किसी महिला को देखता है और उसके प्रति वासना रखता है, तो मेरे पास सेमिनरी में एक प्रोफेसर था जो एक ऐसे युवक के बारे में कहानी बता रहा था जिसे उसने परामर्श दिया था जो बिल्कुल व्याकुल था क्योंकि वह प्रोफेसर को बता रहा था, वह कहता है, मैं खुद को रोक नहीं सकता। मैं सुंदर महिलाओं को देखता हूँ और मैं बस उनकी ओर आकर्षित महसूस करता हूँ।

और वह कहता है, मुझे पता है कि मैं अपने दिल में व्यभिचार कर रहा हूँ। और प्रोफेसर ने कहा, ठीक है, हमें इन शब्दों के अर्थ को देखना होगा। और आज भी, मैं उस आदमी की कही गई बातों की सराहना करता हूँ।

यहाँ वासना शब्द का अनुवाद है, उसके प्रति वासना, एपिथुमेओ। एपिथुमेओ किसी चीज़ या किसी व्यक्ति को पाने की तीव्र इच्छा है। यह कोई क्षणिक सनक नहीं है।

यह बात उस बारे में नहीं है। यह किसी को आकर्षक पाने के बारे में नहीं है। रब्बियों में एक और छोटी सी घटना है जहाँ एक रब्बी ने एक सुंदर गैर-यहूदी महिला को देखा और उसने शपथ ली, आप जानते हैं, भगवान की स्तुति हो जिसने ऐसी सुंदरता या ऐसा कुछ बनाया है।

और उसके सभी रब्बी दोस्त इस बात से बहुत शर्मिंदा थे कि वह इस महिला की खूबसूरती की प्रशंसा कर रहा था। जाहिर है, अगर वह यहूदी होती तो यह इतना बुरा नहीं होता। लेकिन यह तथ्य कि वह गैर-यहूदी थी, उन्हें परेशानी दे रहा था।

लेकिन हाँ, मेरा मतलब है, क्या यह व्यभिचार है? खैर, जाहिर है कि यीशु यहाँ इसके बारे में बात नहीं कर रहे हैं। बल्कि, ऐसा लगता है कि यीशु जिस बारे में बात कर रहे हैं वह है किसी चीज़ को पाने की इच्छा। हम इसे मोह कह सकते हैं।

मुझे वाकई लगता है कि यह इसी बारे में बात कर रहा है। अगर आप इसके बारे में सोच रहे हैं, अगर आप इसकी योजना बना रहे हैं, तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने रिश्ते को कमज़ोर कर रहे हैं। वासना वैवाहिक रिश्ते की अखंडता को कमज़ोर करती है।

किसी दूसरे व्यक्ति के प्रति आसक्त होना आपके और आपके जीवनसाथी के बीच के रिश्ते की अखंडता को तोड़ता है। ऐसा लगता है कि यीशु यहाँ वास्तव में इसी बारे में बात कर रहे हैं। व्यभिचार को परिभाषित करने के बजाय, अपने दिल में व्यभिचार।

याद है जब जिमी कार्टर ने कई साल पहले प्लेबॉय पत्रिका को एक साक्षात्कार दिया था? यह तब की बात है जब जिमी कार्टर... मैं यहाँ अपनी उम्र दिखा रहा हूँ, मुझे लगता है। वह उस समय उम्मीदवार जिमी कार्टर थे। जिमी कार्टर के बारे में सबसे बड़ी बात यह थी कि वह वास्तव में पहले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार थे जिन्होंने अपने विश्वास को अपनी आस्तीन पर पहना था।

मैं मानता हूँ कि वह बहुत धार्मिक थे। मेरा मानना है कि वह ईसाई थे। राष्ट्रपति के तौर पर उनके लिए इसका क्या मतलब है, यह एक अलग सवाल है।

वह एक ऐसा व्यक्ति था जो सही काम करना चाहता था। वह एक ईसाई व्यक्ति था जो यीशु का अनुयायी बनने की कोशिश कर रहा था। मैं जिमी कार्टर का ज़िक्र इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि प्लेबॉय के साथ एक साक्षात्कार में प्लेबॉय पत्रिका ने उनसे पूछा था कि एक ईसाई सेक्स के मामले में क्या करेगा।

जिमी कार्टर बिना सोचे-समझे उन चीजों की पूरी सूची बना लेते हैं, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि ईसाई लोग करने के लिए तैयार होंगे और दूसरी चीजें जो ईसाइयों को शायद नहीं करनी चाहिए। यहाँ कुछ ऐसा ही हो रहा है। बहुत से लोग यह परिभाषित करने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से काम, कौन से शारीरिक काम व्यभिचार कहलाएँगे।

अगर मैं उसका हाथ थाम लूँ, तो क्या मैं व्यभिचार कर रहा हूँ? अगर मैं उसके गले में हाथ डालूँ, तो क्या मैं उसे साइड हग करूँगा? ठीक है। सामने से सामने? शायद नहीं। हम रेखा कहां खींचते हैं? यीशु कहते हैं कि आप हृदय में रेखा खींचते हैं, शरीर में नहीं।

समस्या कार्रवाई में नहीं बल्कि उस विचार प्रक्रिया में है जो कार्रवाई को जन्म देती है। इसलिए, अगर कोई दुष्ट जादूगर आपको सम्मोहित कर देता है और आपको यह सोचने पर मजबूर कर देता है कि उसकी खूबसूरत सहायक आपकी पत्नी है, और आप मंच पर उसकी खूबसूरत सहायक के साथ चुंबन करने लगते हैं और वहां हर कोई आप पर हंस रहा है, तो आप व्यभिचार नहीं कर रहे हैं क्योंकि इसका आपके दिल से कोई लेना-देना नहीं है। दिल, यहीं पर असल में समस्या है।

हृदय को इच्छाशक्ति का बीज माना जाता था। यह कुछ ऐसा है कि, फिर से, जब हम बाइबल में हृदय के बारे में पढ़ते हैं, तो मुझे लगता है कि हम अपने कुछ आधुनिक विचारों को प्रोजेक्ट करते हैं, और हम हृदय को भावनाओं के बीज के रूप में सोचते हैं। प्राचीन इब्रानियों की सोच में, भावनाएँ शरीर में अलग-अलग जगहों पर स्थित थीं।

तो आपको अपनी कमर में कुछ महसूस हो सकता है, कुछ खास तरह की भावनाएँ। आपको अपनी किडनी में दूसरी तरह की भावनाएँ महसूस हो सकती हैं, जैसे अपराधबोध। आपको लग सकता है कि आपकी भावनाएँ आपके पेट या आंत से आ रही हैं, आपके दिमाग से नहीं।

वे नहीं जानते थे कि मस्तिष्क क्या करता है। वे यह भी नहीं जानते थे कि मस्तिष्क कहाँ है। वे नहीं जानते थे कि मस्तिष्क क्या करता है।

लेकिन दिल को आमतौर पर भावना का बीज नहीं माना जाता था, बल्कि कई बार इच्छा का बीज माना जाता था। इसलिए यीशु यहाँ आपके दिल में वासना और व्यभिचार करने के बारे में बात कर रहे हैं, जिसका मतलब है कि आप अपनी इच्छा को ऐसे काम में लगा रहे हैं जो आपके रिश्ते को कमजोर करता है। इसलिए फिर से, यहाँ यीशु के शब्द किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करते प्रतीत होते हैं जो शायद मोहग्रस्त है, धोखा देने की अवधारणा से ग्रस्त है।

मैं यह भी नहीं कहूंगा कि शायद कल्पना करना, बल्कि शायद कल्पनाओं में लिप्त होना और कल्पनाओं का मनोरंजन करना, और केवल एक क्षणिक विचार नहीं। अब, यहाँ पर यह मजेदार हो जाता है। यीशु ने व्यभिचार के बारे में क्या कहा है? यीशु ने किसी महिला को पत्थर मारकर मार डालने के बारे में कुछ नहीं कहा।

इसके बजाय, यीशु कहते हैं, ठीक है, तो मान लीजिए कि आपके मन में ये व्यभिचारी विचार आ रहे हैं। आपकी नज़र बस उस महिला को देखने और भटकने की चाहत रखती है। ठीक है, अगर आपकी आँख आपको परेशान कर रही है, तो उस बच्चे को वहाँ से निकाल कर फेंक दें।

अगर आप अपने हाथ को उन चीज़ों को छूने से नहीं रोक सकते जिन्हें उसे नहीं छूना चाहिए, तो अपना हाथ काट दीजिए। क्योंकि आपके लिए स्वर्ग में बिना हाथ या बिना आँख के प्रवेश करना बेहतर है, बजाय इसके कि आप अपने शरीर के सभी अंगों के साथ नर्क में प्रवेश करें। हाँ, हाँ।

इसका क्या मतलब है? फिर से, मत्ती अध्याय 5 में यीशु अतिशयोक्ति के उस साहित्यिक उपकरण का उपयोग करते हैं। कोई भी व्यक्ति बिना आँख के स्वर्ग में प्रवेश नहीं कर सकता। कोई भी व्यक्ति बिना हाथ के स्वर्ग में नहीं जा सकता।

स्वर्ग में ऐसा नहीं होता। आप जानते हैं, यीशु यहाँ हमें अपनी बात समझाने के लिए अतिशयोक्ति का प्रयोग कर रहे हैं। और उनका कहना है कि हमें अपनी पवित्रता, अपने रिश्तों की पवित्रता बनाए रखने के लिए त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

अब, अगर आप बिना यह सोचे कि आप उस खूबसूरत स्टार या उस खूबसूरत अभिनेत्री के साथ संबंध बनाना कितना पसंद करेंगे, टीवी सेट नहीं देख सकते, तो शायद आपको टीवी छोड़ देना चाहिए। अगर आप नहीं देख सकते, ठीक है, अगर आप बिना लुभाए कुछ वेबसाइट पर नहीं जा सकते, तो शायद आपको उन वेबसाइट पर नहीं जाना चाहिए। और ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने ऐसा किया है, और यह कभी-कभी सुर्खियों में भी आया है।

यह कहानी कुछ साल पहले मीडिया में काफी चर्चा में आई थी, क्योंकि आयोवा में एक डेंटिस्ट ने अपनी एक असिस्टेंट को नौकरी से निकाल दिया था क्योंकि उसे वह बहुत आकर्षक लगी थी। और जाहिर है, दोनों के बीच थोड़ी बहुत छेड़खानी भी हुई थी। और वह आदमी, जो ईसाई था, ने कहा, मुझे तुम्हारे साथ ऐसा करने से नफरत है।

मैं तुम्हें एक अच्छा, उदार विच्छेद पैकेज दूंगा, लेकिन मैं वास्तव में तुम्हें अपने साथ नहीं रख सकता क्योंकि यह मेरी शादी को नुकसान पहुंचा रहा है। खैर, उसने निश्चित रूप से मुकदमा दायर किया, और इसने सुर्खियाँ बटोरीं, और यह हर जगह फैल गया कि यह दंत चिकित्सक कितना दुष्ट था कि वह इस महिला को आकर्षक होने के कारण नौकरी से निकाल देगा। लेकिन क्या हुआ? खैर, आखिरकार, वास्तव में, मामला अदालतों द्वारा खारिज कर दिया गया, जो कि, आप जानते हैं, अच्छे लोगों के लिए एक तरह का मामला है क्योंकि ऐसा नहीं था कि वह उसे सड़क पर फेंक रहा था या ऐसा कुछ।

वह एक डेंटल असिस्टेंट थी। डेंटल असिस्टेंट के लिए बहुत सारे अवसर हैं। और वह वही कर रहा था जो उसे सबसे अच्छा लगता था।

हम कह सकते हैं कि वह अपनी शादी की अखंडता को बचाने के लिए इसे बाहर निकाल रहा था। 2010 में, एक और दिलचस्प कहानी थी जिसने हर जगह सुर्खियाँ बटोरीं क्योंकि न्यू जर्सी मेगाचर्च के एक वरिष्ठ पादरी ने अपने सभी कर्मचारियों को अपने फेसबुक अकाउंट डिलीट करने का आदेश दिया था। ऐसा लगता है कि उनके कुछ कर्मचारी फेसबुक के माध्यम से अपने पुराने प्रेमियों से जुड़ गए थे, और वरिष्ठ पादरी ने फैसला किया कि यह बहुत बड़ा संभावित खतरा था और कहा, यदि आप मेरे कर्मचारियों के साथ काम करना चाहते हैं, तो आपको अपने फेसबुक अकाउंट डिलीट करने होंगे।

अगर तुम्हारी आँख तुम्हें ठेस पहुँचाती है, तो उसे निकाल दो। मेरा मानना है कि यही वह सिद्धांत है जिसके बारे में यीशु यहाँ बात कर रहे हैं। अब, यह नए नियम में एकमात्र स्थान नहीं है जहाँ व्यभिचार का उल्लेख किया गया है और, एक तरह से, इस तरह से आध्यात्मिक रूप से प्रस्तुत किया गया है।

संक्षेप में, जेम्स का थोड़ा व्यापक अनुप्रयोग है, एक तरह की आध्यात्मिक व्यभिचार जैसी बात। याद रखें, हमने इस बारे में बात की थी कि कैसे पुराने नियम में, परमेश्वर ने अक्सर घोषणा की कि इस्राएल एक व्यभिचारी पति की तरह था, कि वह उनसे प्यार करता था और चाहता था कि वे उसके प्रति प्रतिबद्ध रहें, लेकिन वे अन्य देवताओं के साथ धोखा करते रहे। जेम्स ने नए नियम में उस कल्पना को पुनर्जीवित किया है।

वह कहता है, हे व्यभिचारी लोगों, क्या तुम नहीं जानते कि संसार से मित्रता का अर्थ परमेश्वर से शत्रुता है? इसलिए, जो कोई संसार का मित्र बनना चुनता है, वह परमेश्वर का शत्रु बन जाता है। इसलिए, याकूब के अनुसार, संसार से प्रेम करना, प्रभु को धोखा देना है। और इसलिए, एक बार फिर, हम यहाँ देखते हैं कि वह व्यभिचार के मुद्दे को हृदय में, व्यवहार में, न कि कार्यों में स्थापित कर रहा है।

इसलिए, यह कुछ रब्बियों की तुलना में थोड़ा अलग दृष्टिकोण है। रब्बी व्यभिचारी कार्यों को परिभाषित करने और व्यभिचार के विभिन्न रूपों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ईसाई धर्म और नए नियम में, और हमारे लिए गति निर्धारित करनी चाहिए थी, हमारे लिए मानक निर्धारित करना चाहिए था, दुर्भाग्य से, ऐसा अक्सर नहीं हुआ, लेकिन नए नियम में, कार्यों के

बजाय व्यभिचारी दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया गया था। मन की शुद्धता वह है जो यीशु मांगता है।

मन की पवित्रता ही वह चीज़ है जिसके बारे में जेम्स बात कर रहा है। ऐसा हृदय होना जो परमेश्वर के प्रति समर्पित हो और अन्य इच्छाओं से विचलित न हो, और यीशु हमारे वैवाहिक संबंधों में भी यही बात कहते हैं, जीवनसाथी के साथ ऐसा संबंध होना जो विचलित न हो, अन्य इच्छाओं से दूषित न हो। पवित्रता शरीर की बजाय मन की बात है।

अब, एक सुंदर उद्धरण है जिसे मार्टिन लूथर के नाम से जाना जाता है। मैं वास्तव में यह पता लगाने में सक्षम नहीं था कि यह वास्तव में मार्टिन लूथर है या नहीं, लेकिन मुझे हमेशा यह उद्धरण पसंद आया। जाहिर है, मार्टिन लूथर के अनुसार, आप पक्षियों को अपने सिर के ऊपर से उड़ने से नहीं रोक सकते, लेकिन आपको उन्हें अपने बालों में घोंसला बनाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

लूथर ने इस तथ्य को पहचाना कि ऐसे समय भी आएंगे जब, हाँ, हमें दूसरे लोग आकर्षक लगेंगे। आप जानते हैं, जब हम शादी करते हैं तो भगवान हमें लोबोटॉमी नहीं देते हैं। ऐसे समय भी आएंगे जब हम किसी तरह से दूर हो सकते हैं।

हो सकता है कि कुछ क्षणिक कल्पनाएँ भी हों, लेकिन लूथर कहते हैं, और मैं भी सहमत हूँ, आपको उन्हें जुनून नहीं बनने देना चाहिए। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे हम इन चीज़ों पर लगाम लगा सकते हैं। कोई मज़ेदार फ़िल्म देखें, या जंगल में टहलने जाएँ, या चर्च जाएँ, या किसी दोस्त को फ़ोन करके कहें, अरे, क्या तुम मेरे लिए प्रार्थना कर सकते हो? ऐसे बहुत से तरीके हैं जिनसे हम प्रलोभनों को कम कर सकते हैं।

अगर हम स्वीकार करने को तैयार हैं, और मुझे पता है कि यह कभी-कभी कठिन होता है, और विशेष रूप से अधिक रूढ़िवादी इंगील मंडलियों में, हमारे लिए यह स्वीकार करना कठिन है कि हम इंसान हैं। हमारे लिए यह स्वीकार करना कठिन है कि, हाँ, हम प्रलोभन महसूस करते हैं, और कभी-कभी हम उन भावनाओं से भी जूझते हैं जो विशेष रूप से सुखद नहीं होती हैं। न केवल हमारे लिए इसे स्वीकार करना कठिन है, बल्कि इसे सुनना भी हमारे लिए कठिन है।

दुख की बात यह है कि चर्च हमेशा इस तरह की चीज़ों से निपटने में अच्छा नहीं होता है। जब हम सुनते हैं कि कोई व्यक्ति प्रलोभनों से जूझ रहा है, तो कभी-कभी हम पाते हैं कि ऐसे चर्च हैं जो उन लोगों का न्याय करेंगे और उन्हें बहिष्कृत करेंगे। हमें एक-दूसरे के साथ खुलकर बात करने में सक्षम होना चाहिए।

हमें संवेदनशील होने में सक्षम होने की आवश्यकता है, और हमें अपने विचारों के जीवन पर चर्चा करने में सक्षम होने की आवश्यकता है, क्योंकि यह विचार जीवन में ही है जहाँ पाप शुरू होता है, और यह विचार जीवन में ही है जहाँ यह जड़ पकड़ता है, और जैसा कि हम थोड़ी देर बाद बात करेंगे, अगर हम इसे शुरू में ही रोक सकते हैं इससे पहले कि पक्षी हमारे बालों में घोंसला बना लें, हम बाद में होने वाले घोटालों को रोक सकते हैं। ईश्वर चाहता है कि हम अपने जीवनसाथी

और विपरीत लिंग के सदस्यों के साथ शुद्ध संबंध रखें। यह मुश्किल है, लेकिन कभी-कभी, और हाँ, हममें से अधिकांश के लिए, कई बार यह मुश्किल होता है, लेकिन हम अकेले नहीं हैं।

हमारे पास पवित्र आत्मा की शक्ति है। हमारे पास ईश्वर द्वारा दिए गए साथी हैं, और हमारे पास सामान्य ज्ञान भी है। तो आइए हम अंदर से शुद्ध होने का प्रयास करें, और फिर बाहरी चीजों को खुद ही ठीक होने दें।

यह डॉ. एंथनी जे. टॉमसिनो द्वारा दस आज्ञाओं पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 8, आज्ञा 7 - व्यभिचार निषेध है।